

This is under consideration of the ITDC.

(c) and (d) No, Sir.

राजस्थान में सरकारी क्षेत्र उद्योगों की स्थापना

6249. प्रो० निर्बला कुमारी शक्तावत : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या निकट भविष्य में राजस्थान में सरकारी क्षेत्र उद्योगों की स्थापना करने का विचार है; और

(ख) यदि हां, तो वे किस तरह के उद्योग होंगे और वे कहाँ-कहाँ स्थापित किए जाएंगे ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सवाई सिंह तिलोदिया) : (क) और (ख) वर्तमान योजनाओं के अनुसार हालांकि राजस्थान में केन्द्रीय सरकारी क्षेत्र का कोई नया उद्यम स्थापित किए जाने का प्रस्ताव नहीं है तथापि केन्द्रीय सरकारी उद्यमों की मौजूदा संस्थापनाओं में कार्फा विस्तार और विविधाकरण किया जाना है जिसका ब्यौरा इस प्रकार है :—

(1) हिन्दुस्तान कापर लिमिटेड—  
प्रदावक धातुशोधक उत्पादक संयंत्र का विस्तार ।

(2) हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड—  
जावरमाला खानों का विकास बरोई गवेषणा अणुशालन अणुशिष्टोपचार संयंत्र में पूंजी लगाना, अणुचा बरोई खान और प्रदावक संकुल (कम्प्लेक्स) का विकास चांदी पारा निकर्षण संयंत्रों और पायराइट्स का उपयोग करने वाले संयंत्र की स्थापना ।

(3) निम्नलिखित उद्यमों की योजनाओं में भी परिव्यय होने की संभावना है :

(क) हिन्दुस्तान मर्शान टूल्स लि०, का मर्शान और प्रभाग अजमेर ।

(ख) हिन्दुस्तान साल्ट्स लि०, का सांभर नमक ।

(ग) इन्स्ट्रुमेंटेशन लि०, कोटा ।

### Copper Mines

6250. SHRI P. NAMGYAL: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) total number and names of copper ore mines in operation in the country with recoverable purity percentage and production capacity per year;

(b) whether it is a fact that native copper upto 95 per cent purity has been found in Zanskar Valley of Ladakh;

(c) whether it is also a fact that survey party of G.S.I. has been combing the areas to find the source of native copper for the last couple of years; and

(d) if replies (b) and (c) above are in the affirmative, the result achieved so far?

THE MINISTER OF COMMERCE, STEEL AND MINES (SHRI PRANAB MUKHERJEE): (a) A statement prepared on the basis of information furnished by the Indian Bureau of Mines is annexed.

(b) Native copper in the form of nuggets, has been reported from this valley.

(c) Yes, Sir.

(d) Results obtained so far indicate that the copper mineralisation is sporadic in nature.

## Statement

| Name of the Mine   | Average ROM Grade (%) | Production capacity per day<br>(In tonnes) |
|--|-----------------------|--|
| <b>BIHAR</b>   |                       |  |
| 1. Mosabani . . . . .  | 1.35                  | 3,200                                      |
| 2. Surda . . . . .   | 0.95                  | 1,300                                      |
| 3. Pathargora . . . . .                                      | 1.10                  | 400  |
| 4. Kendadih . . . . .  | 1.33                  | 200  |
| 5. Rakha . . . . .   | 1.06                  | 1,000                                      |
| <b>RAJASTHAN</b>   |                       |  |
| 6. Khetri . . . . .  | 0.70                  | 5,000                                      |
| 7. Kolihan . . . . .   | 1.60                  | 3,000                                      |
| 8. Chandmari . . . . .                                       | 0.85                  | 1,000                                      |
| 9. Dariba . . . . .  | 1.60                  | 100  |
| <b>SIKKIM</b>  |                       |  |
| 10. Rangpo (Multimetal deposit of Sikkim Mining Corporation) | 1.19                  | 100  |
| <b>KARNATAKA</b>   |                       |  |
| 11. Ingaldhal . . . . .                                      | 1.00                  | 200  |
| 12. Kalyadi . . . . .  | 1.05                  | 250  |

सरकारी क्षेत्र के उद्योगों द्वारा अपने स्वनिर्मित कोष बनाया जाना

6251. श्री मूलचन्द डागा : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकारी क्षेत्र के निर्माण—(वर्से) उद्योगों का उद्देश्य अपने स्वयं निर्मित कोष बनाने का है ताकि संकट के समय काम बन्द न हो पाये; और

(ख) यदि हां, तो सरकारी क्षेत्र के उन उद्योगों के नाम क्या हैं जिन्होंने अपने स्वयं के कोष निर्मित किये हैं और उनमें से प्रत्येक ने कितनी राशि का कोष बनाया है और यदि ऐसे कोष निर्मित किये गये हैं तो इसके क्या कारण हैं ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सवाई सिंह सिसो बिया.) (क) यह सच है कि सरकारी क्षेत्र के उद्योगों से यह आशा की जाती है कि वे अपनी परिसम्पत्तियों के प्रतिस्थापन और नवीयन तथा अपने कार्यों के विस्तार सम्बन्धी आवश्यकताएँ पूरी कर ने के अलावा अपने प्रचालन के वित्त पोषण के लिए संसाधन जुटाएँ।

(ख) 1979-80 के दौरान जिन सरकारी उद्योगों ने संसाधन पैदा किए हैं उन के नाम और उत्पादित संसाधनों की राशि का विवरण लोक उद्यम सर्वेक्षण 1979-80, जिसे 27 फरवरी 1981 को संसद के दोनों सभा पटलों पर रखा जा चुका